Paper - I

MT

Seat No. | | | | | | | |

2018 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - SEMI PRELIM - I - PAPER - I

Time : 2 Hours **(Pages 6)** **Max. Marks : 50**

सूचनाएँ :- (1) सूचना के अनुसार गद्य, पद्य तथा पूरक पठन की आकलन कृतियों में आवश्यकता के अनुसार आकृतियों में ही उत्तर लिखना अपेक्षित है।
(2) सभी आकृतियों के लिए पेन का ही प्रयोग कीजिए।
(3) रचना विभाग तथा व्याकरण विभाग में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर के लिए आकृतियों की आवश्यकता नहीं है।
(4) शुद्ध, स्पष्ट एवं सुवाच्य लेखन अपेक्षित है।

विभाग 1 - गद्य

12 अंक

प्रश्न 1 (अ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

एक बार एक बहुरूपिये ने साधु का रूप बनाया - सिर पर जटाएँ, नंगे शरीर पर भस्म, माथे पर त्रिपुंड, कमर में लँगोटी । उसके रूप में कहीं कोई कसर नहीं थी और वह संसारत्यागी साधु ही लगता था । उसने नगर से बाहर बड़े - से - पेड़ के नीचे अपनी झोंपड़ी तैयार की, बगीचा लगाया और बैठकर तपस्या करने लगा । धीरे - धीरे सारे नगर में यह समाचार फैलने लगा कि बाहर एक बहुत पहुँचे हुए महात्मा ने आकर डेरा लगाया है । लोग उसके दर्शनों को आने लगे और धीरे - धीरे चारों तरफ साधु का यश फैल गया । सारे दिन उसके यहाँ भीड़ लगी रहती थी । लोग कहते थे कि महात्मा जी के उपदेशों में जादू है और उनके आशीर्वाद से संसार के बड़े से बड़े कष्ट दूर हो जाते हैं । अपनी इस कीर्ति से साधु का कभी - कभी बड़ा आश्चर्य होता और मन - ही - मन वह अपनी सफलता पर मुस्कराया करता ।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए। 2

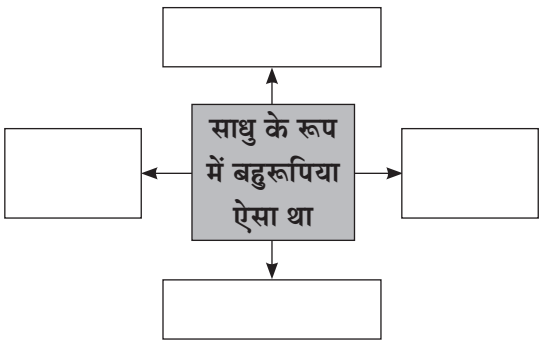

(2) (i) **वचन बदलिए।** **1**

(I) डेरा - ..... (II) झोपड़ी - .....

(ii) **निम्नलिखित शब्दों में से उपसर्ग छाँटकर लिखिए।** **1**

(I) महात्मा - ..... (II) उपदेश - .....

(3) **'साधु माला, जटा, त्रिपुंड, कमंडल, तिलक, भस्म क्यों धारण करते हैं? अपने विचार लिखिए।** **2**

प्रश्न 1 (आ) निम्नलिखित पठित गद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

अमृता प्रीतम : शोभा सिंह जी ! चित्रकला में तकनीकी और रूहानी पहलू से जितना अनुभव आपका है - वर्षों के हिसाब से भी और चिंतन की गहराई के हिसाब से भी उतना इस समय हमारे और किसी कलाकार का नहीं है । कलाकार के कर्म की व्याख्या करनी हो तो आप किन शब्दों में करेंगे ?

शोभा सिंह : सबसे पहले सत्यम शिवम सुंदरम का क्रम बदलना होगा । मैं इसे सुंदरम, शिवम और सत्यम का क्रम देता हूँ । सुंदरता के लिए नजर सबसे पहली अवस्था है और सत्य उसकी तीसरी अवस्था । यह विकास की क्रिया है - जिसकी पहली मंजिल सुंदरता की कल्पना है । उसी कल्पना को जिसे आप अक्षरों के माध्यम से कागज पर उतारती हैं... चित्रकार रंगों और लकीरों के माध्यम से कैनवस पर उतारता है ।

(1) (i) **समझकर लिखिए।** **1**

(ii) **उचित विकल्प चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **1**

(I) सुंदरता के लिए ..... सबसे पहली अवस्था है।

(नजर, दृष्टि, नजरिया)

(II) सुंदरता की ..... अवस्था सत्य है।

(पहली, दूसरी, तीसरी)

(2) (i) **निम्नलिखित शब्दों के वचन बदलिए।** **1**

(I) कल्पना (II) लकीर

(ii) **गद्यांश में प्रयुक्त अन्य भाषाओं के शब्द ढूँढ़कर लिखिए।** **1**

(3) **'रंगों का जीवन में बड़ा महत्त्व है।' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।** **2**

विभाग 2 - पद्य

प्रश्न 2 (च) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

सुरभित, सुंदर, सुखद सुमन तुझपर खिलते हैं,
भाँति - भाँति के सरस, सुधोपन फल मिलते हैं ।
औषधियाँ हैं प्राप्त एक - से - एक निराली,
खानें शोभित कहीं धातु वर रत्नोंवाली ।
जो आवश्यक होते हमें, मिलते सभी पदार्थ हैं ।
हे मातृभूमि वसुधा - धरा, तेरे नाम यथार्थ हैं ।।

(1) संजाल पूर्ण कीजिए। **2**

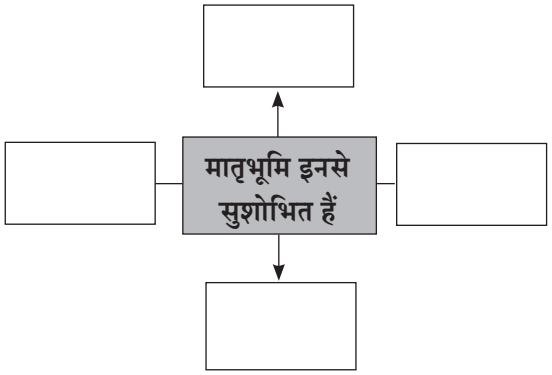

(2) अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए। **1**

(i) सुख देने वाला -

(ii) सब कुछ धारण करने वाली -

(3) 'धरती पर उपलब्ध संसाधनों का हमें उचित ध्यान रखना चाहिए।' विषय पर अपने विचार लिखिए। **2**

प्रश्न 2 (छ) निम्नलिखित पठित पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

कवि के मानस में स्वप्न बना
छाया था जो सीमित वसंत,
होगा जन - जन के जीवन में
साकार, विपुल जब वह अनंत,
जब मनुओं का जग, भू पर ही
अभिनव 'नंदन" बन जाएगा
ऐसा वसंत कब आएगा ?

(1) (i) **समझकर लिखिए।** ½

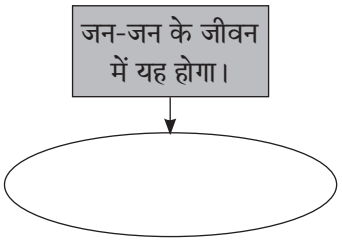

(ii) **निम्नलिखित शब्द पढ़कर ऐसे दो प्रश्न तैयार कीजिए जिनके उत्तर निम्न शब्द हों -** ½
वंदन

(iii) **निम्नलिखित विधान सत्य है या असत्य लिखिए।** 1
(I) कवि को जन-जन की चिंता है।
(II) मानव की दुनिया यह धरती का अभिनव नंदन नहीं बन सकती।

(2) **निम्नलिखित शब्द से उपसर्ग अलग कीजिए और संबंधित उपसर्ग से अन्य दो शब्द तैयार कीजिए।** 1
अभिनव

(3) **'धरती को स्वर्ग-सी सुंदर बनाने के लिए मेरा प्रयास .....।' इस विषय पर अपने विचार लिखिए।** 2

विभाग 3 - व्याकरण विभाग

प्रश्न (3) सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

(1) **निम्नलिखित शब्दों का मानकवर्तनी के अनुसार शुद्ध शब्द छाँटकर कीजिए ।** 1
(i) बुद्धी / बुध्दी / बुद्धि
(ii) परिक्षार्थि / परीक्षार्थि / परीक्षार्थी

(2) **निम्नलिखित अव्यय शब्द का वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** 1
(i) इसलिए

(3) (i) **सूचना के अनुसार काल परिवर्तन कीजिए।** 1
मुझे अभिवादन का ध्यान आया। (पूर्ण भूतकाल)

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों के काल पहचानकर लिखिए।** 1
बासी पूरी-कचौड़ी को उबलती कड़ाही में डालकर ताजा के नाम पर बेचते थे।

(4) (i) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर सार्थक वाक्यों में प्रयोग कीजिए।** 1
खाली हाथ लौटना

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों के अधोरेखांकित शब्दसमूह के लिए कोष्ठक में दिए मुहावरों में से उचित मुहावरे का चयन करके वाक्य फिर से लिखिए।** 1
(मन मारना, फूला न समाना, दंग रह जाना)
सरकस की गुड़ियों के करतब देखकर दर्शक आश्चर्य चकित हो गए।

(5) (i) **निम्नलिखित संधि विच्छेद की संधि कीजिए और भेद लिखिए।** **1**
सम् + तोष

(ii) **निम्नलिखित शब्दों का विच्छेद कीजिए और भेद संधि लिखिए।** **1**
स्वागत

(6) (i) **रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार बताइए।** **1**
वह आदमी भी उस गाँव में रहने के लिए तैयार हो गया।

(ii) **निम्नलिखित वाक्यों के अर्थ के अनुसार भेद लिखिए।** **1**
अरे ! हवा रानी, नाराज मत हो।

विभाग 4 - रचना विभाग

प्रश्न (4) (अ) पत्र लिखिए। **4**

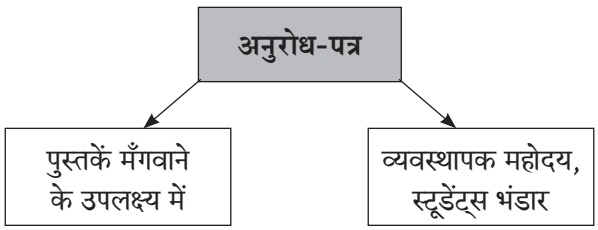

अथवा

कृतिका वर्मा, १८३ गाँधी नगर, लखनऊ के निवासी हैं। अपने मित्र इंद्रभूषण, ११-ए, विजयनगर, दिल्ली को नव वर्ष पर शुभकामना-पत्र लिखती है।

प्रश्न (4) (आ)

(i) **दिए गए शब्दों के आधार पर आधारित कहानी लिखिए।** **4**
(थैली, जल, तस्वीर, अँगूठी)

अथवा

(ii) **निम्नलिखित गद्यांश के आधार पर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए। जिनके उत्तर एक-एक वाक्य में हो।** **4**

''कोई काम छोटा नहीं। कोई काम गंदा नहीं। कोई भी काम नीचा नहीं। कोई भी काम असंभव भी नहीं कि व्यक्ति ठान ले और ईश्वर उसकी मदद न करे। शर्त यही है कि वह काम, काम का हो। किसी भी काम के लिए 'असंभव', 'गंदा', या 'नीचा' शब्द मेरे शब्दकोश में नहीं है।'' ऐसी वाणी बोलने वाली मदर टेरेसा को कोढ़ियों की सेवा करते देखकर एक बार एक अमेरिकी महिला ने कहा, ''मैं यह कभी नहीं करती।'' मदर टेरेसा के उपरोक्त संक्षिप्त उत्तर से वह महिला शर्म से शिकुड़ गई थी। सचमुच ऐसे कार्य का मूल्य क्या धन से आँका जा सकता है या पैसे देकर किसी की लगन खरीदी जा सकती है ? यह काम तो वही कर सकता है, जो ईश्वरीय आदेश समझकर अपनी लगन इस ओर लगाए हो। जो गरीबों, वंचितों, जरूरतमंदों में ईश्वरीय उपासना का मार्ग देखता हो और दुखी मानवता में उसके दर्शन करता हो। ईसा, गाँधी, टेरेसा जैसे परदुख कातर, निर्मल हृदय वाले लोग ही कोढ़ियों और मरणासन्न बीमारों की सेवा कर सकते हैं और 'निर्मल हृदय' जैसी संस्थाओं की स्थापना करते हैं।

प्रश्न (5) (अ) **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर विज्ञापन तैयार कीजिए।** **4**

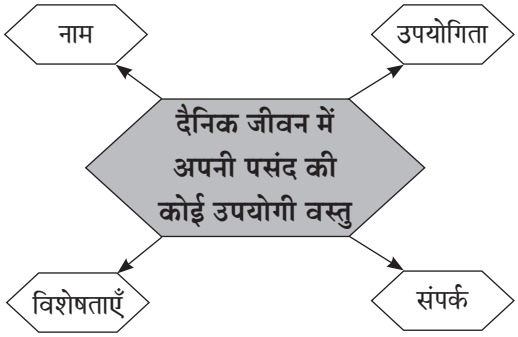

प्रश्न (5) (आ) **निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर ६० से ८० शब्द में निबंध लिखिए ।** **6**

(i) यदि मैं शिक्षा मंत्री होता..... (ii) सादा जीवन, उच्च विचार

Best Of Luck